# ऐ मेरे श्याम इनायत कर दे भजन लिरिक्स

ऐ मेरे श्याम इनायत कर दे,
अपनी करुणा से,
मुझ गरीब की झोली भर दे,
मैंने दु:ख दर्द उठाए है बड़े,
अब तो सुख चैन से जी लूँ,
मुझे ऐसा वर दे।bd।

तर्ज – मेरे महबूब क़यामत।

---

देख लिया ये सारा जहाँ,
मीत ना कोई तुमसा यहाँ,
तू ही बता मैं जाऊं कहाँ,
मेरा तो ये सर,
है झुका यही पर,
नहीं कोई और ठिकाना,
अपना ये हाथ तू सर पर धर दे,
अपनी करुणा से,
मुझ गरीब की झोली भर दे।bd।

---

सब पर करुणा बरसाता तू,
सबकी उलझन सुलझाता तू,
सुख का गुलशन महकाता तू,
तेरा तो परम,
बस है ये धरम,
दुखियों के दर्द मिटाना,
इस दुखी दीन के भी दु:ख हर दे,
अपनी करुणा से,
मुझ गरीब की झोली भर दे।bd।

---

बड़े दुखों का खाया हूँ मैं,
दुनिया का ठुकराया हूँ मैं,
तेरी शरण अब आया हूँ मैं,
दे नाम का धन,
गजेसिंह गगन,
छू लेगा ये भजन सुहाना,
भक्ति भावों के तू इसे वर दे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के ऑफलाइन में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

अपनी करुणा से,
मुझ गरीब की झोली भर दे।bd।

---

ऐ मेरे श्याम इनायत कर दे,
अपनी करुणा से,
मुझ गरीब की झोली भर दे,
मैंने दु:ख दर्द उठाए है बड़े,
अब तो सुख चैन से जी लूँ,
मुझे ऐसा वर दे।bd।

गायक – मुकेश कुमार जी।

---

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com